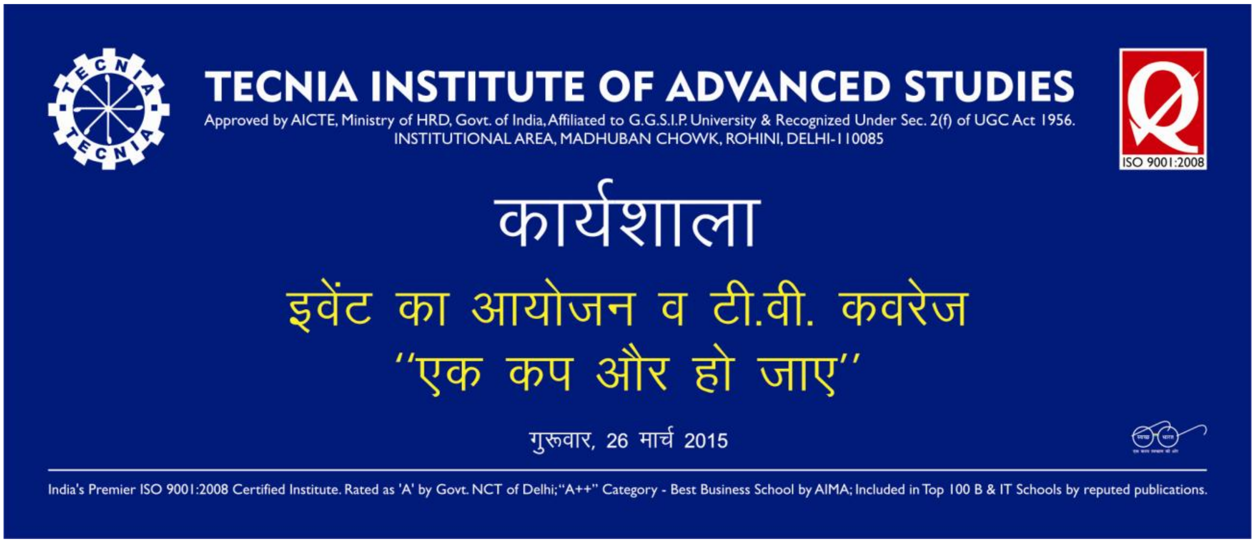

कार्यक्रम: कार्यशाला

विषय: इवेंट का आयोजन व लाइव कवरेज (क्रिकेट))

दिन एवं दिनांक: गुरूवार, 26 मार्च 2015

कार्यक्रम स्थल: सीआरसी और मल्टी परपज़ हॉल के बीच की जगह, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़

रिसोर्स पसर्न: पत्रकारिता विभाग के चतुर्थ सेमिस्टर (पहली शिफ्ट) के विद्यार्थी

प्रतिभागी: पत्रकारिता विभाग के चतुर्थ सेमिस्टर के विद्यार्थी

प्रतिभागी संख्या: 48

कार्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्र एवं छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान देना।
2. विद्यार्थियों को एक इवेंट का आयोजन में आने वाली कठिनाइयों से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों को एक लाइव शो कवर कराना व इसके आयोजन में आने वाली कठिनाइयों से अवगत कराना।
4. पीछे रहने वाले विद्यार्थियों को आगे लाना।

विवरण:

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवास्ड स्टडीज़ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पत्रकारिता विभाग के चतुर्थ सेमिस्टर (पहली शिफ्ट) के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला का आयोजन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। उन्होंने ही कार्य किया, सीखा और अपनी कमियों व सीमाओं से अवगत हुए।

इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने एक समसामयिक विषय 'क्रिकेट' लिया। यह भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। युद्ध के सिवाय क्रिकेट ही एक ऐसा खेल है जो हम सभी भारतीयों को दिलों से जोड़ता है। और इस समय क्रिकेट का महाकुंभ कहा जाने वाला वर्ल्ड कप प्रतियोगिता भी अपने चरम पर चल रहो है।

पत्रकारिता विभाग के चतुर्थ सेमिस्टर (पहली शिफ्ट) के विद्यार्थियों ने एक टॉक शो का आयोजन किया जिसका नाम था 'एक कप और हो जाए'। इस शो को चार प्रमुख भागों में बांटा गया। वर्तमान सेमीफाइनल, नॉकआउट, अंपायरिंग और स्लेजिंग इनके विषय थे।

इस शो में एंकरिंग साकेत रातेरिया ने की जिसमें उन्होंने उत्तर के हिसाब से प्रश्न पूछे। एंकर साकेत की एंकरिंग में एक अच्छे एंकर के सभी गुण दिखाई दिए।

इस इवेंट को सफल बनाने का पूरा श्रेय विद्यार्थियों को ही जाता है क्योंकि इस कार्यशाला के विषय से लेकर शोध, आइडिया से लेकर स्क्रिप्ट, बजट से लेकर प्रोग्रामिंग भी विद्यार्थियों ने ही की। इस शो में कैमरा व एडीटिंग का कार्य भी विद्यार्थियों ने ही किया।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के फीडबैक से हुई जिसमें उन्होंने इस कार्यशाला को आयोजित करने में आई कठिनाइयों और फायदे के बारे में बताया। उन सभी का मानना है कि इस तरह के कार्यशालाएं नियमित रूप से होनी चाहिए जिससे कि सभी विद्यार्थियों को आगे आकर कार्य करने का मौका मिल सके।

लर्निंग आउटकमः

- इस शो में गीत पत्रकारिता विभाग के चतुर्थ सेमिस्टर (पहली शिफ्ट) के विद्यार्थियों ने ही लिखे और गाए। इसकी तर्ज भी इन्हीं विद्यार्थियों ने ही बनाई थी।
- कैमरे के पीछे रहने वाले लोग भी कैमरे के सामने आए।
- हमेशा शरारत में आगे रहने वाले विद्यार्थियों ने इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।
- जिस विद्यार्थी ने जो कार्य लिया उसे पूरे तन-मन से किया।
- तकनीकी विभाग में भी विद्यार्थियों ने गुर सीखे और अपने हाथ साफ किये।

विद्यार्थी कैमरे के तकनीकी रूप को सीखते हुए

विद्यार्थी कैमरे के तकनीकी रूप को सीखते हुए

आकृति स्वरचित गीत गाती हुई।

समीफाईनल मैच पर चर्चा करते हुए।

नॉकआऊट और फॉर्मेट पर चर्चा करते हुए।	एक्सपर्ट अंपायरिंग पर अपनी बात रखते हुये।

अशिष्टता पर अपनी राय देते हुये।